हनुमत आ जाओ

लगा तीर लखन मैं सीने में , हाय कुछ भी सुझ न पाये,
जल्दी से आओ हनुमत प्यारे , कही रात बीत न जायें ,

तुम्हें काहें को देर लगाई , हनुमत आ जाऊ ॥
मेरा तड़फ रहा है भाई , हनुमत आ जाऊ ॥

उठो मेरे भाई ,क्यों सोये मुख मोड़ के ॥
क्या मिलेगा ,तुझे दिल मेरा तोड़ के ॥
सुनो राम ,अपने की दुहाई ॥

भाई के बिना ,मैं घर नहीं जाऊंगा ॥
लखन के सगं ,आज मैं भी मर जाऊंगा ॥
तुझ बिन मैं ,क्या करूं खुदाई ॥

आ गऐ हनुमत ,पर्वत चीर के ॥
दुखड़े मिटाऐ ,जिसने रघुवीर के ॥
हर संकट,बिगड़ी बनाई ॥

Singer :- kumar - Sanjeev
Contact -: 098141 -62145

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/2802/title/hanumant-aa-jaao-lga-teer-lakhan-main-seene-me-haye-kuch-bhi-sujh-na-paye

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |